उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर (नैनीताल) अ+ब

हाईस्कूल परीक्षा, उत्तराखण्ड

[redacted]

'डी' कोड संख्या–

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा–

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंकों में)

(शब्दों में)

विषय सामाजिक विज्ञान

प्रश्नपत्र पर अंकित कोड क्र. 234 (1x10)

कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय–

केन्द्र संख्या– 222227

कक्ष निरीक्षक का नाम

परीक्षा कक्ष संख्या– 02 दिनांक 17/03/2018

कक्ष निरीक्षक का पूर्ण हस्ताक्षर

हाईस्कूल परीक्षा, उत्तराखण्ड अ (10 अंक)

'डी' कोड संख्या (परिषद् कार्यालय द्वारा भरा जाएगा)

'डी' कोड संख्या–

उत्तर-पुस्तिकाओं की संख्या → 25 4 32 04

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक →

(कक्ष निरीक्षक द्वारा भरा जाय)

विषय सामाजिक विज्ञान प्रश्नपत्र पर अंकित कोड क्र. 234 (1x10)

परीक्षा का दिन शनिवार परीक्षा की तिथि 17/03/2018

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक .....

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने ... उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन समुचित प्रश्नवार मूल्यांकन तथा मूल्यांकन निर्देशों के अनुसार किया है। प्राप्तांकों का मुख्य पृष्ठ पर अंकपत्रक का प्राप्तांकों एवं प्राप्तांकों के योग का मिलान कर लिया गया है तथा एक भी प्राप्तांकों की गणना पर उनका पुनः मिलान भी कर लिया गया है। किसी ... त्रुटि/चूक नहीं।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं नाम

1. परीक्षक के हस्ताक्षर एवं

2. परीक्षक के हस्ताक्षर

सत्यापित

सत्यापित पूर्व अंक–

सत्यापित पश्चात् अंक–

त्रुटि का प्रकार–

दिनांक–

हस्ताक्षर निरीक्षक–

प्रश्न संख्या 1 का उत्तर

प्रेमचंद ।

प्रश्न संख्या 2 का उत्तर

रबी - गेहूं
खरीफ - धान

प्रश्न संख्या 3 का उत्तर

पंजाब , उत्तर प्रदेश ।

प्रश्न संख्या 4 का उत्तर

सत्य ।

प्रश्न संख्या 5 का उत्तर

एफ्रो - अमेरिकन -

एफ्रो - अमेरिकन या अश्वेत अमेरिकी उन अमेरिकी लोगों के वंशजों के लिए प्रयुक्त किया जाता था जिन्हें 17 वीं शताब्दी से 19 वीं शताब्दी के मध्य अफ्रीका से गुलाम बनाकर लाया गया था ।

प्रश्न संख्या 6 का उत्तर

शहरीकरण –

गांवों और कस्बो का शहरो के रूप मे विकसित होना, शहरीकरण कहलाता है।

प्रश्न संख्या 7 का उत्तर

लोकतंत्र।

प्रश्न संख्या 8 का उत्तर

सही।

प्रश्न संख्या 9 का उत्तर

NCC – National Cadet Corps
NSS – National Service Scheme

प्रश्न संख्या 10 का उत्तर

~~गृह मंत्रालय~~ + कृषि मंत्रालय।

समूह 'ब'

प्रश्न संख्या 11 का उत्तर

उद्योगों मे नई तकनीक के विकास को औद्योगिक क्रांति कहते हैं।

औद्योगिक क्रांति के लाभ -

1. रोजगार का सृजन -
औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अनेक उद्योगों की स्थापना की गई। जिससे लोगों को रोजगार की प्राप्ति हुई।

2. दैनिक जीवन मे सुख - सुविधा -
औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप दैनिक जीवन मे सुख - सुविधा के अनेक साधन विकसित किए गए।

3. नई तकनीक का विकास -
औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप नवीन तकनीकों का विकास हुआ। जिससे विभिन्न क्षेत्रों ने प्रगति की।

इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्रांति से नगरीकरण, कृषि क्षेत्र का विस्तार, नई कृषि तकनीक का ज्ञान व अन्य कई लाभ हुए।

प्रश्न संख्या 12 का उत्तर

इंग्लैंड मे उन्नीसवीं सदी मे मनोरंजन के अनेक साधन सामने आए जो निम्न प्रकार हैं -

1. लंदन सीजन - लंदन सीजन एक कार्यक्रम श्रृंखला थी जिसमे इंग्लैंड के 100 से 200 धनी परिवार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों - शास्त्रीय संगीत आदि का आयोजन करते थे।

2. ऑपेरा रंगमंच - ऑपेरा रंगमंच एक कार्यक्रम था जिसमे किसी घटना का नाट्य रूपांतरण किया जाता था। यह धनी परिवारों द्वारा लंदन सीजन मे भी कराया जाता था।

3. पब, शराबघर - गरीब लोगों द्वारा पबों और शराबघरों मे अपना अतिरिक्त समय बिताया जाता था।

इसके अतिरिक्त इंग्लैंड मे मनोरंजन के लिए पुस्तकालय भी खोले गए थे।

प्रश्न संख्या 13 का उत्तर

पुस्तके छापने के नए तरीके को मुद्रण संस्कृति कहते हैं। मुद्रण संस्कृति जब भारत मे आई तो स्वतंत्रता आंदोलन जोरों पर था।
मुद्रण संस्कृति ने भारत मे राष्ट्रवाद के विकास मे निम्न प्रकार से सहयोग किया -

1. पुस्तकों मे राष्ट्रवाद की भावना से परिपूर्ण लेख छापे जाने लगे। जिसे पढ़कर लोगों मे राष्ट्रवाद की भावना का विकास हुआ।

2. समाचार पत्रों के माध्यम से जनता को अंग्रेजी सरकार के बुरे कार्यों के बारे मे पता चला।

3. भीमराव अंबेडकर, गांधीजी आदि क्रांतिकारियों के विचारों को पत्रिकाओं मे छापा जाने लगा।

4. समाचार पत्रों मे अन्य देशों मे हो रही क्रांतियों का वर्णन किया गया। जिससे भारत की जनता भी उन लेखों मे प्रभावित हुई।

5. मुद्रण संस्कृति के आने से राष्ट्रवादी विचारधाराओं का प्रचार - प्रसार किया जाने लगा।

प्रश्न संख्या 14 का उत्तर

संचार सेवाओं से आशय व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति जो उससे दूर रहता है से संपर्क साधने के लिए प्रयुक्त उपयोगी उपकरणों से है।

आज के आधुनिक युग मे संचार सेवाएं जीवन की एक मूलभूत आवश्यकता बन गई है। मोबाइल, रेडियो, टेलीविजन, कम्प्यूटर, इंटरनेट, टेलीफोन आदि संचार सेवाओं के प्रमुख उदाहरण हैं। जीवन मे एक - दूसरे से संपर्क स्थापित करने के लिए ये सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई हैं। व्यक्ति की

रोजाना की जिंदगी मे ये सेवाएं हमे विभिन्न प्रकार से सहयोग प्रदान करती है। संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे आई क्रांति ने विभिन्न प्रकार की अत्याधुनिक संचार सेवाओं का आविष्कार किया है।

दो संचार साधनों के नाम -- मोबाइल फोन, कम्प्यूटर

प्रश्न संख्या 15 का उत्तर

लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां

लोकतंत्र शासन व्यवस्था सर्वोत्तम शासन व्यवस्था मानी जाती है। परंतु वर्तमान मे कुछ कारणों से इसकी जड़ें कमजोर हो रही हैं। ये कारण निम्न हैं -

1. साम्प्रदायिकता -

साम्प्रदायिकता धर्मान्धता को जन्म देती है। जिसके कारण समाज मे अनेक उपद्रव व दंगे होते हैं। इससे लोकतंत्र का अहिंसात्मक स्वरूप छिन्न-भिन्न हो जाता है।

2. जातिवाद -

जातिवाद की भावना के कारण समाज का जातियों के आधार पर विभाजन हो जाता है। जिससे समाज मे छुआछूत, अस्पृश्यता आदि कुप्रथाओं का विकास होता है।

3. क्षेत्रवाद -

लिंग, जाति, धर्म के आधार पर देश को विभिन्न क्षेत्रों मे बाँट दिया जाता है जो लोकतंत्र के लिए अभिशाप है।

प्रश्न संख्या 16 का उत्तर

जागरूक उपभोक्ता बनने के लिए निम्नलिखित आवश्यक बातें ध्यान मे रखनी चाहिए -

1. उपभोक्ता संरक्षण दल -

स्थानीय स्तर पर उपभोक्ता संरक्षण दलों का गठन किया जाना चाहिए। इन दलों से संबंधित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की बैठक नियमित रूप से होनी चाहिए।

2. उपभोक्ता अदालत -

उपभोक्ता अदालतों का गठन किया जाना चाहिए जो उपभोक्ताओं के हितों के लिए सरकार पर दबाव बना सके। जैसा कि 1985 से उपभोक्ता इंटरनेशल जो संयुक्त राष्ट्र की संस्था है 100 से भी अधिक देशो मे करती आ रही है।

3. उपभोक्ता दलो द्वारा बाजार का निरीक्षण -

उपभोक्ता दलो द्वारा स्थानीय बाजारों का निरीक्षण समय-समय पर किया जाना चाहिए।

प्रश्न संख्या 17 का उत्तर

सुनामी (Tsunami) ⇒

सुनामी शब्द जापानी भाषा से लिया गया है। यह दो शब्दो से मिलकर बना है - सु + नामी। सु का अर्थ है बंदरगाह तथा नामी का अर्थ है लहरें। अर्थात समुद्र से बंदरगाह अथवा तट की ओर आने वाली लहरें, सुनामी (Tsunami) कहलाती है।

सुनामी के प्रभाव -

1. यह तट से सैकड़ो किमी. अंदर तक आ जाती है।
2. यह 15m तक ऊंची हो सकती है।
3. तटीय क्षेत्रों मे इसका वेग 50 km/h से भी अधिक होता है।
4. यह दिन व रात कभी भी आ सकती है।
5. यह समुद्र मे ज्वालामुखी विस्फोट, भूकंप अथवा भूस्खलन के कारण आती है।

प्रश्न संख्या 18 का उत्तर

भूकम्प (Dirt Earthquake) ⇒

पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपस मे टकराने से ऊपरी परत पर हलचल होना, भूकंप (Earthquake) कहलाता है। यह एक प्राकृतिक आपदा है।

भूकम्प आपदा हेतु सुरक्षा उपाय --

1. भूकंपरोधी भवनो का निर्माण -

भवनो का निर्माण करते समय यह ध्यान मे रखना चाहिए कि भवनो की संरचना भूकंपरोधी हो। निर्माण सामग्री उचित गुणवत्ता की होनी चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने वाले होने चाहिए।

2. जनजागरण -

भूकंप सम्भावी इलाको मे लोगो को जागरूक किया जाना चाहिए।

3. स्थानीय दलो का गठन -

स्थानीय स्तर पर कुछ दलो का गठन किया जाना चाहिए जो आपदा के समय बचावदल के रूप मे कार्य कर सके।

प्रश्न संख्या 20 का उत्तर

गांधी इरविन समझौता

गांधी - इरविन समझौता 5 मार्च 1931 को वायसरॉय इरविन और गांधीजी के मध्य हुआ। गांधीजी ने अपनी 11 सूत्री मांगो को इरविन के समक्ष रखा था। जिसमे से इरविन ने 1 मांग को स्वीकार था।

गांधी - इरविन समझौते के प्रमुख प्रावधान निम्न थे -

1. सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया जाए।

2. सरकारी अध्यादेश व मुकदमे वापस ले लिए जाएं।

3. अपराधिक कैदियों को छोड़ राजनैतिक कैदियों को मुक्त कर दिया जाए।

4. समुद्र तट से निश्चित दूरी पर नमक बनाने की अनुमति दी जाए।

5. जमानत व जुर्माने वसूल न किए जाएं।

6. कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेगी।

7. आंदोलन के समय जिन लोगों ने सरकारी नौकरियों छोड़ दी थी, उन्हें वापस रखने में उदारीकरण की नीति अपनाई जाए।

8. विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को राजनैतिक हथियार के रूप में प्रयोग न किया जाए।

9. शराब व अफीम की दुकानों के आगे विरोध करने वालों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

10. कांग्रेस पुलिस अत्याचारों के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग को त्याग देगी।

प्रश्न संख्या 21 का उत्तर

मृदा अपरदन (Soil Erosion) ⇒

मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया मृदा अपरदन कहलाती है। दूसरे शब्दों में; वायु, जल आदि के द्वारा मृदा की ऊपरी उपजाऊ कणों का एक स्थान से हट जाना, मृदा अपरदन कहलाता है।

भू-क्षरण को रोकने के उपाय ⇒

भू-क्षरण अथवा मृदा अपरदन को रोकने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में निम्न उपाय किए जाने चाहिए -

1. **वृक्षारोपण -**

अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए चूंकि पेड़ों की जड़ें मृदा को जकड़े रहती हैं जिससे मृदा अपने स्थान से विस्थापित नहीं होती।

2. **सीढ़ीदार खेती -**

पहाड़ी क्षेत्रों में अथवा ढलान वाले क्षेत्रों में सीढ़ीदार खेती खेती का सबसे उत्तम माध्यम है। इससे मृदा का अपरदन नहीं होता।

3. **बांधों का निर्माण -**

पहाड़ों पर नदियों पर प्रायः बांधों का निर्माण कर नदी के वेग को नियंत्रित करना चाहिए जिससे नदी तट की मिट्टी का अपरदन न हो।

4. ढाल के विपरीत जुताई –

सीढ़ीदार खेतों पर प्रायः ढाल के विपरीत जुताई की जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त नालियों का निर्माण करना चाहिए तथा हरी खाद वाली फसलों को उगाना चाहिए।

प्रश्न संख्या 22 का उत्तर

वर्षा जल संग्रहण –

जल दैनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। दैनिक जीवन के समस्त कार्यों में जल का महत्वपूर्ण स्थान है।

"जल का संचय, जीवन का संचय।"

अर्थात् जल का संचय करने से ही मनुष्य की जीवन यात्रा संभव है।

वर्षा के जल को विभिन्न माध्यमों (झीलों, तालाबों का निर्माण, गड्ढा खोदकर आदि) से संग्रहित करना, वर्षा जल संग्रहण (Rain Water Harvesting) कहलाता है।

इसके निम्न उद्देश्य हैं –

1. भौम जल स्तर में वृद्धि करना।
2. भौम जल को शुद्ध करना।
3. वर्षा के जल को व्यर्थ बहने से रोकना।
4. ग्रीष्म ऋतु के लिए जल का संग्रहण करना।

वर्षाजल संग्रहण मुख्यतः राजस्थान और मेघालय राज्य में किया जाता है।

जल दुर्लभता –

यह आश्चर्यजनक बात है कि पृथ्वी का दो तिहाई भाग जल से घिरे होने के बावजूद जनसंख्या मे वृद्धि के कारण जल दुर्लभता व्याप्त है। स्वीडन के वैज्ञानिक फॉल्कन मॉर्क के अनुसार, जब प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति $1000m^3$ जल उपलब्ध नही हो पाता तो यह स्थिति जल दुर्लभता कहलाती है।

वर्षा के जल को संग्रहित करके जल दुर्लभता की समस्या से निपटा जा सकता है।

प्रश्न संख्या 23 का उत्तर

सत्ता का विकेंद्रीकरण –

केंद्र तथा राज्य सरकारो से शक्तियो को लेकर उसे तीसरे स्तर की सरकार को दे देना, सत्ता का विकेंद्रीकरण कहलाता है।

भारत मे सत्ता का विकेंद्रीकरण 1992-93 मे हुआ जब संविधान मे 73 वां व 74 वां संशोधन करके स्थानीय स्वशासन का गठन किया गया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत मे तीसरे स्तर की सरकार के लिए दो समितियो का गठन किया गया।

1. बलवंतराय मेहता समिति
2. अशोक राय मेहता समिति

सरकार ने बलवंत राय मेहता समिति की रिपोर्ट को उचित माना और सन् 1992-93 मे संविधान मे 73वां 74वां संसोधन करके अनुच्छेद 243 [II भाग 9 (क) व 12 भाग 9 (ख)] मे जोड़ा गया।

विकेंद्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच –

1. तीसरे स्तर की सरकार को स्थानीय स्वशासन कहा गया।

2. इस सरकार को सीधा बजट केंद्र से प्राप्त होगा।

3. महिलाओ के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित होंगी।

नियमित चुनाव कराना बाध्यता होगी।

प्रश्न संख्या 24 का उत्तर

भारत की विधायिकाओं मे भले ही महिलाओं के लिए पर्याप्त आरक्षण की व्यवस्था है परंतु विधायिकाओं मे उनकी स्थिति विचारनीय है। इसे निम्न बिंदुओ द्वारा समझा जा सकता है –

1. कम पढ़े-लिखे लोग व रूढ़िवादी विचारधारा के लोग महिलाओं का घर से बाहर जाना उचित नहीं मानते।

2. राजनीति का स्वरूप अपराधिक होने के कारण महिलाऐं राजनीति मे प्रवेश नही करना चाहती।

3. स्त्रियों को गृह - गृहस्थी से मुक्ति नही मिल पाती।

4. कुछ महिलाऐं भारतीय राजनीति मे उच्च पदों पर आसीन हैं।

5. संसद के दोनों सदनो तथा राज्यो की विधान - सभाओ मे स्थिति स्त्रियों के लिए पर्याप्त आरक्षण की है।

प्रश्न संख्या 25 का उत्तर -

लोकतंत्र मे राजनीतिक दलो की भूमिका -

लोकतंत्र मे राजनीतिक दल निम्न कार्य करते हैं -

1. जनमत का निर्माण करना -

राजनीतिक दल एक स्वस्थ जनमत का निर्माण करते हैं।

2. जनता को राजनीतिक शिक्षा प्रदान करना -

राजनीतिक दल जनता को राजनीतिक शिक्षा प्रदान कर उन्हें अपने पक्ष मे मतदान के लिए लुभाते हैं।

3. चुनाव लड़ना -
राजनीतिक दल चुनाव लड़कर लोकतंत्र मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

4. उम्मीदवारों का चयन करना -
राजनीतिक दल चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते हैं।

5. सरकार बनाना -
चुनाव मे जीतने वाला दल सरकार का निर्माण करता है।

6. विपक्ष का निर्माण करना -
चुनाव के हारने वाला दल विपक्ष का निर्माण करता है।

7. राष्ट्र का विकास करना -
सत्ताधारी दल राष्ट्र के विकास के लिए अनेक योजनाऐं चलाता है।

प्रश्न संख्या 26 का उत्तर

सार्वजनिक क्षेत्रक -
सार्वजनिक क्षेत्रक प्रायः सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं। ये सरकार द्वारा निर्धारित नियम - विनियम के आधार पर कार्य करते हैं।

उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर (नैनीताल)

ब

हाईस्कूल परीक्षा, उत्तराखण्ड

केन्द्र व्यवस्थापक का मुहर	केन्द्र व्यवस्थापक के हस्ताक्षर
केन्द्र संख्या– 2587	

नोट–केन्द्र के नाम की मुहर उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग पर न लगाएं।

डी कोड सं० (परिषद् कार्यालय द्वारा भरा जायेगा।)

'डी' कोड संख्या–

नोट–परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के किसी भी भाग में अपना नाम व केन्द्र का नाम न लिखें।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायेगा–

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंकों में)– (शब्दों में)

विषय सा० विज्ञान प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतांक 234 HXM

कक्ष निरीक्षक हेतु–

(उपरोक्त सभी प्रविष्टियों की जाँच मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक कर ली गयी है।)

केन्द्र संख्या (कक्ष निरीक्षक द्वारा भरी जाये)– 2587 कक्ष निरीक्षक का नाम

परीक्षा कक्ष संख्या– 02 दिनांक 17/03/18 कक्ष निरीक्षक का पूर्ण

हाईस्कूल परीक्षा, उत्तराखण्ड **ब** (6 पन्ने)

'डी' कोड संख्या (परिषद् कार्यालय द्वारा भरा जायेगा)

'डी' कोड संख्या–

विषय सा० विज्ञान प्रश्नपत्र पर अंकित संकेतांक– 234 HXM

परीक्षा का दिन शनिवार परीक्षा की तिथि 17/03/18

हस्ताक्षर कक्ष निरीक्षक..... परीक्षक के हस्ताक्षर..

कोड सं०..

पी०एस०यू० (आर०ई०) 27 उ०वि०शि०प० / 108–24–05–2017–3.08,000 (कम्प्यूटर / ऑफसेट)।

इसमे रोजगार की अवधि सीमित होती है। इसमे वेतन, भत्ता आदि का भी प्रबंध होता है।

उदाहरण - रेलवे, डाकघर आदि सार्वजनिक क्षेत्रक के उदाहरण है।

सार्वजनिक क्षेत्रक की आर्थिक विकास मे भूमिका -

सार्वजनिक क्षेत्रक सभी लोगो को सेवाऐं प्रदान करते हैं। इनके द्वारा अर्जित आय देश की राष्ट्रीय आय मे जुड़ती है जिससे देश का आर्थिक विकास सुदृढ होता है। रेलवे डाकघर, बस, सरकारी बैंक, सहकारी समितियां व अन्य सरकारी नियंत्रण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र सार्वजनिक क्षेत्रो के उदाहरण है।

प्रश्न संख्या 27 का उत्तर

मुद्रा (Money) ⇒ लेनदेन का वह माध्यम जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, सर्वग्राही हो और सामान्य जनता मे प्रचलित हो, मुद्रा (Money) कहलाता है।

भारत मे मुद्रा 1रु०, 2रु०, 5रु०, 10रु०, 20रु०, 50रु०, 100रु०, 200रु०, 500रु०, 2000 रु० मे विभाजित है।

विनियम के माध्यम के रूप मे मुद्रा सबसे प्रचलित साधन है। मुद्रा ने दोहरे संयोग की समस्या

का समाधान किया है।

विनिमय के माध्यम के रूप मे मुद्रा का उपयोग -

मुद्रा के प्रादुर्भाव वस्तु विनिमय की कठिनाई का समाधान किया है। उदाहरण के रूप मे, किसी व्यक्ति के पास गाय है वह उसे बाजार मे बेचकर मुद्रा प्राप्त कर सकता है और अपनी आवश्यकतानुसार उपयोगी वस्तुएँ खरीद सकता है।

परंतु प्राचीनकाल मे ऐसा नही होता था। प्राचीन समय मे यदि कोई व्यक्ति गाय के बदले अनाज लेना चाहता है तो उसे ऐसे व्यक्ति को ढूंढना पड़ेगा जो उसे गाय के बदले अनाज दे सके।

इस प्रकार, विनिमय के माध्यम के रूप मे मुद्रा का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न संख्या 28 का उत्तर

वैश्वीकरण (Globlization) ⇒

राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था मे समन्वय, वैश्वीकरण कहलाता है।

वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक -

1. विदेशी व्यापार
2. विदेशी निवेश

3. बहुराष्ट्रीय कंपनियां
4. मीडिया
5. फिल्म उद्योग
6. शिक्षा

भारत मे वैश्वीकरण का प्रभाव –

भारत मे वैश्वीकरण की प्रक्रिया के फलस्वरूप अनेक कंपनियो ने अपने उद्योग स्थापित किए हैं। बहुत - सी विदेशी कंपनियो ने भारत मे अपने शेयर लगाए हैं। भारतीय वस्तुओं का अन्य देशो मे निर्यात किया जाने लगा हैं।

भारत मे वैश्वीकरण के फलस्वरूप निम्न परिवर्तन आए –

1. नगरीकरण
2. रोजगार का सृजन
3. नई तकनीक का ज्ञान
4. शिक्षा के स्तर मे वृद्धि
5. संस्कृति का प्रचार प्रसार
6. पर्यटन का विस्तार

प्रश्न संख्या 19 का उत्तर

यूरोप मे राष्ट्रवाद के उदय के कारण –

1. **पत्र - पत्रिकाएं –**

पत्र - पत्रिकाओं मे राष्ट्रवाद की भावना से परिपूर्ण लेख छपते थे। जिसे पढ़कर

लोगों में राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

2. लेखकों का प्रभाव –

रूसो, मॉण्टेस्क्यू आदि लेखकों ने अपने विचार सामान्य जनता तक पहुंचाए, जिससे लोगों का जागरण हुआ।

3. फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव –

फ्रांसीसी क्रांति की घटना ने यूरोप की जनता में राष्ट्रवादी विचारधारा की ओर प्रबल किया।

2018 /234 (HXM)

अनुक्रमांक
Roll No.

प्र 29 के लिए
or Q. No. 29)

29.

हाईस्कूल
केन्द्र संख्या—2587

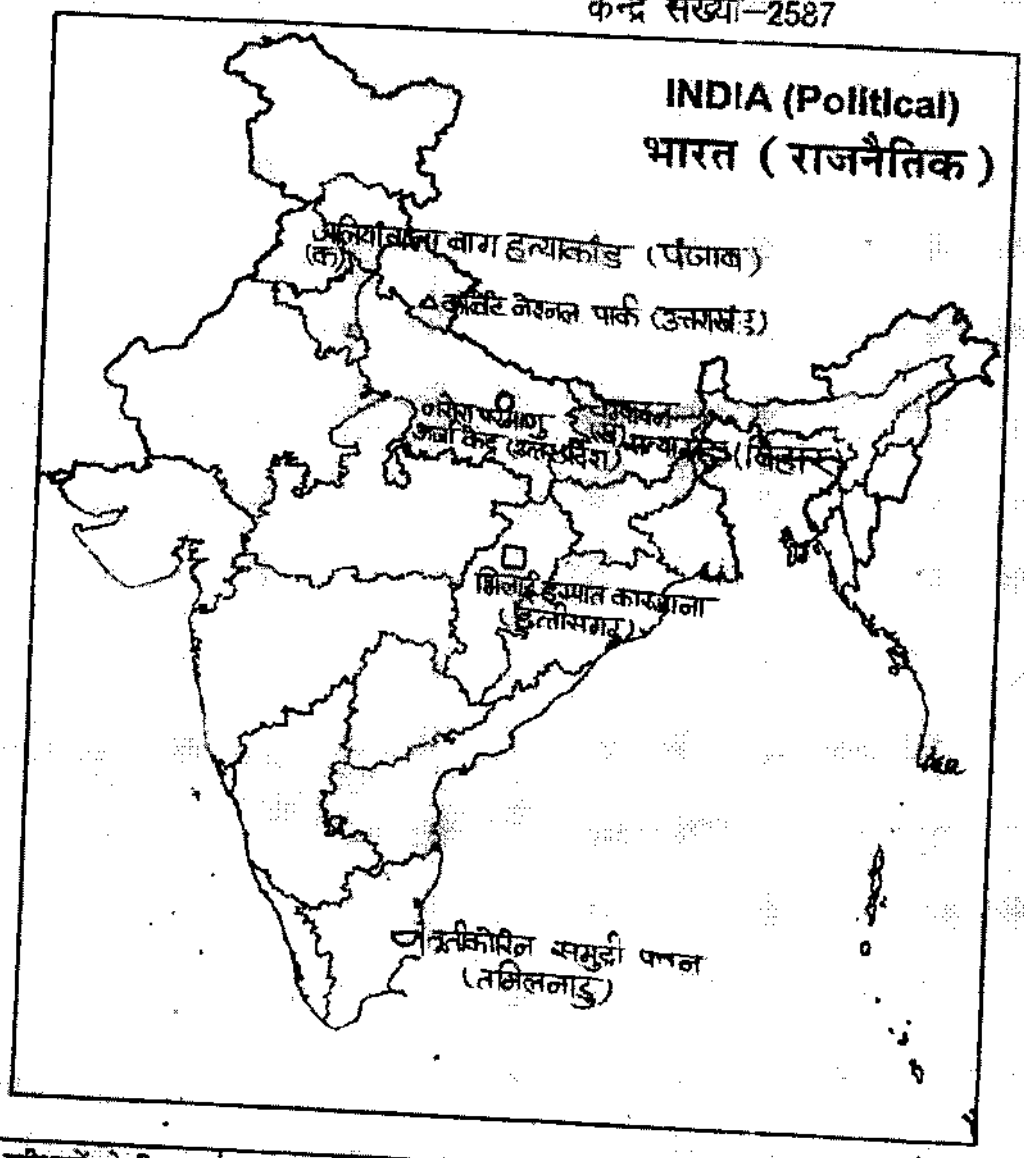

केवल परीक्षकों के लिए (For Examiners Only)	प्रश्न संख्या 29 (Q. No. 29)	अ (A)		ब (B)			
		क (a)	ख (b)	ग (c)	घ (d)	ङ (e)	च (f)
	प्रदत्त अंक (Marks Provided)						